Literacy for a Billion

Movie: Milan
Year: 1967

Song: Sawan Ka Mahina
Lyricist: Anand Bakshi

हूँ ...

सावन का महीना
पवन करे सोर

सावन का महीना
पवन करे शोर

उँ हूँ
पवन करे सोर
पवन करे शोर

अरे बाबा शोर नहीं
सोर सोर
सोर ...
पवन करे सोर

हाँ

जियरा रे झूमे ऐसे
जैसे बन मा नाचे मोर

सावन का महीना
पवन करे सोर
जियरा रे झूमे ऐसे
जैसे बन मा नाचे मोर

सावन का महीना
पवन करे सोर

जियरा रे झूमे ऐसे
जैसे बन मा नाचे मोर

रामा गजब ढाए
ये पुरवैया
नैया सँभालो
कित खोए हो खेवैया

रामा गजब ढाए
ये पुरवैया
नैया सँभालो
कित खोए हो खेवैया

ओय
पुरवैया के आगे
चले ना कोई जोर
जियरा रे झूमे ऐसे
जैसे बन मा नाचे मोर

ओ ...
सावन का महीना
पवन करे सोर
जियरा रे झूमे ऐसे
जैसे बन मा नाचे मोर

मौजवा करे क्या जाने
हमको इसारा
जाना कहाँ है पूछे
नदिया की धारा

मौजवा करे क्या जाने
हमको इसारा
जाना कहाँ है पूछे
नदिया की धारा

मरजी है तुम्हारी
ले जाओ जिस ओर
जियरा रे झूमे रे ऐसे रे
जैसे बन मा नाचे मोर

ओ ...

सावन का महीना
पवन करे सोर
जियरा रे झूमे ऐसे
जैसे बन मा नाचे मोर

जिनके बलम बैरी
गए हैं बिदेसवा

आई है लेके उनके
प्यार का संदेसवा

जिनके बलम बैरी
गए हैं बिदेसवा
आई है लेके उनके
प्यार का संदेसवा
कारी मतवारी
घटाएँ घनघोर
जियरा रे झूमे ऐसे
जैसे बन मा नाचे मोर

सावन का महीना
पवन करे सोर
जियरा रे झूमे ऐसे
जैसे बन मा नाचे मोर

जियरा रे झूमे रे ऐसे रे
जैसे बन मा नाचे मोर

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.